JYOTI B.Ed COLLEGE RAMPURA, FAZILKA

SUBJECT :- PEDAGOGY OF HINDI

SUBJECT CODE :- 207

CLASS :- D.El.Ed

SESSION :- 2018 - 20

YEAR :- IInd

TOPIC :- वर्ण की परिभाषा और भेद

TEACHER'S NAME :- Mrs. REETU BALA

Scanned by CamScanner

UNIT - 2

वर्ण - परिभाषा और भेद

मौखिक भाषा में मुख से उच्चारित ध्वनियों को लिख कर बताने लिए कुछ ध्वनि चिन्ह बनाए गए हैं। ध्वनियों को व्यक्त करने वाले यह चिह्न ही वर्ण कहलाते हैं। रचना की दृष्टि से वर्ण को भाषा की सबसे छोटी इकाई कहा जा सकता है -

वे ध्वनि चिह्न, जिनके खंड न किए जा सके, वर्ण कहलाते हैं जैसे :- अ, उ, ए, इ, ऋ, क, च, ट आदि।

वर्ण को अक्षर भी कहते हैं।

वर्ण का व्यवस्थित समूह वर्णमाला कहलाता है। हिन्दी वर्णमाला में ५८ वर्ण हैं।

वर्णों के भेद

हिन्दी वर्णमाला में ५८ वर्ण हैं। उच्चारण और प्रयोग के आधार पर हिन्दी वर्णमाला के दो भेद किए गए हैं।

1. स्वर
2. व्यंजन

Scanned by CamScanner

वर्णों के भेद

- स्वर
  - (उच्चारण के अनुसार भेद)
    1. दीर्घ स्वर
    2. ह्रस्व स्वर
    3. प्लुत स्वर
- व्यंजन
  - (उच्चारण के अनुसार भेद)
    1. स्पर्श व्यंजन
    2. अंतस्थ व्यंजन
    3. ऊष्म व्यंजन
- अन्य वर्ण
  1. अनुस्वर
  2. अनुनासिक
  3. विसर्ग
  4. हलंत

1. **स्वर** :- जिन वर्णों के उच्चारण में बिना किसी रूकावट के मुख से हवा निकले, उसे स्वर कहते हैं। स्वरों का उच्चारण स्वतन्त्र रूप से किया जा सकता है। हिन्दी वर्णमाला में कुल 13 स्वर हैं।

स्वर

अ, आ, इ, ई,
उ, ऊ, ऋ, ऌ,
ए, ऐ, ओ, औ,
अं, अः।

Scanned by CamScanner

स्वर के भेद

1) **ह्रस्व स्वर** :- जिन वर्णों के उच्चारण में थोड़ा समय लगे अथवा एक मात्रा का समय लगे, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। इन्हें मूल स्वर भी कहते हैं, इनकी संख्या चार है - अ, इ, उ, ऋ।

2) **दीर्घ स्वर** :- जिन वर्णों के उच्चारण में अर्थात् जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ये सात स्वर हैं — आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ। उच्चारण में लगने वाले समय को आधार मानकर किया गया है।

3) **प्लुत स्वर** :- जिन स्वरों के उच्चारण में मूल स्वर अर्थात् ह्रस्व स्वर से तिगुना समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं। इसे त्रिमात्रिक स्वर भी कहते हैं, जैसे - ओ३म्, ऐसे स्वरों में 3 लगाकर लिखा जाता है।

व्यंजन

जिन वर्णों का उच्चारण करते समय हवा रुककर मुख से बाहर निकले तथा जिसके उच्चारण के लिए सदैव स्वरों की सहायता ली जाए, उसे व्यंजन कहते हैं। यह स्वतन्त्र ध्वनियाँ नहीं हैं।

Scanned by CamScanner

जैसे (क) का उच्चारण क + अ, यानि (अ) स्वर की सहायता से होगा। हिन्दी वर्णमाला में मूलतः 33 व्यंजन हैं।

व्यंजन के भेद

1) **स्पर्श व्यंजन** :- जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय हमारे मुख अवयव (जीभ, होंठ, दाँत, वर्त्स आदि) परस्पर स्पर्श करके वायु को रोकते हैं, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं।

जैसे :- क वर्ग — क, ख, ग, घ, ङ
च वर्ग - च, छ, ज, झ, ञ
ट वर्ग - ट, ठ, ड, ढ, ण
त वर्ग - त, थ, द, ध, न
प वर्ग - प, फ, ब, भ, म।

क से म तक जो वर्ण हैं, वे स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं। इनकी संख्या 25 है जिन्हे 5 वर्गों में विभाजित किया गया है।

2) **अन्तस्थ व्यंजन** :- जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय जिह्वा मुख के किसी भाग से पूरी तरह स्पर्श नहीं करती, उन्हें अन्तस्थ व्यंजन कहते हैं। स्वरों और व्यंजनों के बीच स्थित होने के कारण भी इन्हें अन्तस्थ कहते हैं। इनकी संख्या चार हैं- य, र, ल, व।

Scanned by CamScanner

3) ~~ऊष्म~~

ऊष्म व्यंजन :- कुछ व्यंजनों के उच्चारण में मुख से ऊष्म (गर्म) श्वास बाहर निकलती है, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहा जाता है। इनकी संख्या 4 है - श, ष, स, ह।

अन्य व्यंजन :- उपर्युक्त व्यंजनों के अतिरिक्त कुछ अन्य व्यंजन भी हैं -

संयुक्त व्यंजन :- जो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन हो उसे संयुक्त व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 3 है -

क्ष (क + ष)

त्र (त + र)

ज्ञ (ज + ञ)

ये तीनों संयुक्त व्यंजन है इसलिए वर्णमाला में इन्हें गिनना उचित प्रतीत नहीं होता।

अन्य वर्ण

स्वर और व्यंजन के अतिरिक्त कुछ अन्य वर्ण भी हैं। जो चार प्रकार के हैं।

1) अनुस्वर 2) अनुनासिक 3) विसर्ग 4) हलंत।

Scanned by CamScanner

1) अनुस्वर :- जिस प्रकार के उच्चारण में हवा केवल नासिका से निकले व उच्चारण अधिक जोर से हो, उसे अनुस्वर वर्ण कहा जाता है। उस पर केवल बिन्दु (•) लगाया जाता है।

जैसे :- गंदा, चंचल, चंदा आदि। अनुस्वर का प्रयोग पंचम वर्ण के स्थान पर होता है।

2) अनुनासिक :- जिस स्वर के उच्चारण में हवा मुख व नासिका दोनों से निकले तो लिखते समय वर्ण के ऊपर चंद्रबिन्दु (ँ) लगा दिया जाता है। ऐसे स्वर अनुनासिक वर्ण कहलाते हैं। जैसे :- चाँद, दाँत, पाँच, आंख आदि।

3) विसर्ग :- विसर्ग का उच्चारण (अह्) के रूप में होता है। वर्णों के अंत में जो दो बिन्दु लगाये जाते हैं, उसे विसर्ग कहते हैं।

विसर्ग :- (:)

उदाहरण :- प्रातः = प् + र् + आ + त् + अह् =

प्रातह्

Scanned by CamScanner

५) हलंत :- जब किसी व्यंजन का प्रयोग स्वर से रहित किया जाता है तब उसके नीचे एक तिरछी रेखा (्) लगा दी जाती है। यह रेखा हल कहलाती है। हलयुक्त व्यंजन हलंत वर्ण कहलाता है। जैसे - विद्या।

Scanned by CamScanner